ई.एच.आई.–05

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य

(जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई–05

पाठ्यक्रम शीर्षक : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

ई.एच.आई–05 : 18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

सत्रीय कार्य

जुलाई 2017 और जनवरी 2018 सत्र के लिए

कार्यक्रम कोड : बी.डी.पी.
पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई–05

जैसा कि आपको बी.डी.पी. की कार्यक्रम दर्शिका में बताया गया है आपको इस ऐच्छिक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

सत्र	जमा करने की तिथि	कहां जमा करना है
जुलाई 2017 सत्र के लिए	**31 मार्च 2018**	**पूरा किया हुआ सत्रीय कार्य अपने केंद्र के संयोजक के पास जमा करा दें।**
जनवरी 2018 सत्र के लिए	**30 सितम्बर 2018**	

सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लीजिए।

सत्रीय कार्य करने से पहले कुछ बातें :

सत्रीय कार्य करने से पहले ध्यान रखें : सामाजिक विज्ञानों में किसी भी तरह के लेखन के लिए चार सोपान आवश्यक हैं। ये हैं (क) योजना (ख) वस्तु चयन (ग) प्रस्तुतीकरण (घ) व्याख्या

क) योजना : आपसे क्या प्रश्न पूछा गया है और उत्तर में क्या लिखना है। इस पर विचार कीजिए। इकाइयों का ठीक तरह से अध्ययन कीजिए। कुछ अतिरिक्त जानकारी चाहें तो पुस्तकालय का उपयोग कीजिए।

यह देखें कि प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में देना है या 250 शब्दों में या सिर्फ 100 शब्दों में। बड़े प्रश्नों के लिए विवरणों के साथ व्याख्या भी करनी होगी। तीसरे प्रकार के प्रश्न के उत्तर में संगत विवरणों को संक्षेप में प्रस्तुत करें।

ख) वस्तु चयन : उत्तर देने के लिए आपको सही तथ्यों तथा विवरणों का चयन करना होगा। इसके लिए आप (i) अपनी इकाइयों से नोट्स लें (ii) तथ्यों को ध्यान से देखें और उत्तर के लिए अनावश्यक विवरण निकाल दें और (iii) उत्तर का पहला खाका लिख लें। इससे आपको यह समझने में मदद मिलेगी कि आप उत्तर में क्या सूचनाएं/विवरण प्रस्तुत करना चाहते हैं।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : अब आप उत्तर का दूसरा खाका तैयार करें। इससे आप अपने विचारों को स्पष्टता से व्यक्त कर सकेंगे। आप यह भी जान सकेंगे कि दी गयी शब्द सीमा में आप बात कैसे कह सकते हैं।

उत्तर का तीसरा और अंतिम प्रारूप तैयार कीजिए और देखिए कि आपने सारी आवश्यक बातें अपेक्षित शब्द सीमा में प्रस्तुत की हैं या नहीं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या की प्रक्रिया का अनन्य स्थान है। आपकी योजना तथा वस्तु चयन में भी व्याख्या की झलक दिखाई देगी। संभवतः, शायद, क्योंकि, इसलिए, आदि शब्दों के साथ आपके वक्तव्य व्याख्या की झलक देते हैं। यहां आपको ध्यान रखना होगा कि आपके तथ्य आपके वक्तव्य का समर्थन करते हैं अथवा नहीं।

टिप्पणी : अगर आपके पास समय सीमित हो तो :

1) पहला प्रारूप तैयार करें, उत्तर की संगतता, शब्द सीमा, आदि पर ध्यान दें, और
2) अंतिम प्रारूप तैयार करें।

अब आप उत्तर लिखने के लिए तैयार होंगे।

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य
ई.एच.आई.–05
18वीं शताब्दी के मध्य से 19वीं शताब्दी के मध्य तक

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.आई–05
सत्रीय कार्य कोड : ई.एच.आई–05/ए.एस.टी/2017–2018
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य तीन भागों में विभाजित है। सभी प्रश्न अनिवार्य है। प्रत्येक प्रश्न के निर्धारित अंक प्रश्न के सामने लिखे हैं।

भाग क: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. प्राच्यविदों और उपयोगितावादियों के बीच अंतर की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

मैसूर और हैदराबाद ने अठारहवीं शताब्दी में राज्य निर्माण की अलग-अलग दिशाएँ अपनाईं। चर्चा कीजिए।

2. क्या स्थायी बंदोबस्त अपने उद्देश्य पूरे कर पाया? व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

औपनिवेशिक शासनकाल के दौरान 'वि-औद्योगीकरण' से आप क्या समझते हैं? क्या इसका एकसमान प्रभाव रहा?

भाग 2: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में दीजिए।

3. सिक्ख धर्म अठारहवीं शताब्दी में धार्मिक अस्मिता से राजनीतिक अस्मिता की ओर किस प्रकार मुड़ गया? 12

अथवा

कृषि का वाणिज्यीकरण ईस्ट इंडिया कंपनी के भारत में अंत का कारण कैसे बना?

4. भारत में अठारहवीं-उन्नीसवीं शताब्दियों में उपन्यास के उदय की चर्चा कीजिए। 12

अथवा

1857 का विद्रोह असफल क्यों रहा? टिप्पणी कीजिए।

5. ब्रिटिश शासनकाल के दौरान सिविल सेवा के गठन की चर्चा कीजिए। 12

अथवा

मराठा प्रशासनिक व्यवस्था की चर्चा कीजिए।

6. सामरिक और वाणिज्यिक कारकों का पारस्परिक प्रभाव अंग्रेजों के बर्मा तक विस्तार का आधार कैसे बना? 12

अथवा

हिंदी-उर्दू विवाद की चर्चा कीजिए।

भाग 3: प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए।

7. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिए :** 6+6

क) रैयतवाड़ी व्यवस्था
ख) 1833 का चार्टर अधिनियम
ग) 'फितना' की अवधारणा
घ) मीर कासिम और अंग्रेज